कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक–शिविरा–मा/माध्य/निप्र/डी–1/104/II/नवाचार/2015/ दिनांक– 14.11.15

समस्त जिला शिक्षा अधिकारी
माध्यमिक(प्रथम/द्वितीय)

विषय– अधीनस्थ संस्था प्रधानों को बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु सार्थक कार्य योजना बनाकर कियान्विति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित करने के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि विगत वर्ष राज्य सरकार द्वारा शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु एक साथ 5000 विद्यालयों की उच्च माध्यमिक स्तर पर क्रमोन्नति जैसे अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाये गये थे, जैसे कक्षा 1 से 10 तथा 1 से 12 तक के समन्वित विद्यालयों की स्थापना के साथ ही राज्य की समस्त 9895 ग्राम पंचायतों में एक–एक आदर्श विद्यालय की स्थापना, स्टाफिंग पैटर्न के माध्यम से उपलब्ध मानवीय संसाधनों का विद्यार्थी हित में अधिकाधिक सदुपयोग इत्यादि। मौजूदा सत्र में अद्यतन वर्ष तक की शिक्षकों से संबंधित समस्त विषयों–संवर्गो की डी.पी.सी. तथा नवनियुक्तियों से अधिकाधिक रिक्त पदों को भरे जाने का कार्य युद्ध स्तर पर हुआ है, जिसके सुखद परिणाम में वर्तमान में अधिकतर माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में संस्था प्रधानों के पद भरे जा चुके हैं तथा विषयाध्यापकों का भी रिक्त पदों पर बडी मात्रा में पदस्थापन किया गया है।

उपर्युक्तानुसार उत्साहवर्धक शैक्षिक परिदृश्य में आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि अधीनस्थ संस्था प्रधानों को बोर्ड परीक्षा परिणाम के उन्नयन हेतु सार्थक कार्य योजना बनाकर राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता के स्तर को ऊँचा उठाने में योगदान हेतु प्रेरित करें। उक्तानुसार प्रत्येक विद्यालय के कक्षा 10 तथा 12 के विगत वर्षों के बोर्ड परीक्षा परिणामों को आधार बना कर उनमें आशातीत सुधार हेतु अग्रांकित विवरणानुसार कार्य योजना के अनुसार कार्यवाही की जानी सुनिश्चित करावें:–

(i) पाठ्यक्रम की पूर्णता:–

कक्षा 10 तथा 12 में समस्त विषयों का पाठयक्रम अर्द्ध वार्षिक परीक्षा से पूर्व ही पूर्ण करवाये जाने के क्रम में शिविरा पचांग: 2015–16 में अर्द्धवार्षिक परीक्षा की पूर्व निर्धारित तिथियों में परिवर्तन किया गया है। अब ये परीक्षाएं 11 से 23 दिसम्बर– 2015 की अवधि में आयोजित की जायेगी। समस्त संस्था प्रधान कक्षा 10 तथा 12 के समस्त विषयों का पाठ्यक्रम अर्द्ध वार्षिक परीक्षा से पूर्व पूर्ण गुणवता के साथ पूर्ण करवाये जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें।इस हेतु आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन भी सुनिश्चित किया जावे।

(ii) अधिगम स्तर के अनुरूप कठिनाई निवारण:–

विद्यार्थियों को गुणवतापूर्ण शिक्षा की सुनिश्चितता हेतु प्रत्येक कक्षा में अपेक्षाकृत कठिन विषयों में विद्यार्थियों का अधिगम स्तर के अनुरूप चिन्हीकरण कर अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से उपचारात्मक शिक्षण की सार्थक व्यवस्था करवाई जानी सुनिश्चित करावें,जिससे विद्यार्थियों की अवबोधन (Understanding) क्षमता का विकास कर उनके अधिगम स्तर (Learning Level) में सुधार लाया जा सके। अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन तथा उपचारात्मक शिक्षण की प्रभावी व्यवस्था से विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणाम में निश्चय ही आशातीत गुणात्मक सुधार परिलक्षित होगा।

(iii) पुनरावृत्ति एवं यूनिट टैस्ट:–

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से प्रत्येक कक्षा में विषयाध्यापक द्वारा कमजोर अधिगम स्तर वाले विद्यार्थियों का चिन्हीकरण सुगमता से किया जा सकेगा। शीतकालीन

अवकाशोपरान्त बोर्ड कक्षाओं में पुनरावृत्ति के साथ–साथ विषयाध्यापक द्वारा यूनिट टैस्ट के माध्यम से उपचारात्मक शिक्षण की लब्धि का मूल्यांकन भी सतत् रूप से किया जाये। आशानुरूप लब्धि प्राप्त न होने पर बोर्ड परीक्षा से तत्काल पूर्व किये जाने वाले दो सप्ताह के परीक्षा तैयारी अवकाश का उपयोग चिन्हित विद्यार्थियों के उपचारात्मक शिक्षण हेतु अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन के लिये किया जावे।

(iv) संस्था प्रधान व व्याख्याता /विषयाध्यापक की भूमिका:–

परीक्षा परिणाम में पाठ्यक्रम को प्रभावी तरीके से पूर्ण कराने के संबंध में संस्था प्रधान का पर्यवेक्षण प्रभावी होने के साथ–साथ संबंधित व्याख्याता/विषय अध्यापक की रूचि एवं लगन भी महत्वपूर्ण है यदि इनके द्वारा विद्यार्थियों की पहचान प्रभावी तरीके से की जाकर अतिरिक्त कक्षाओं /रेमेडियल क्लासेज के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही की जाए, तो निश्चित रूप से बोर्ड/गृह परीक्षा परिणाम में सुधार के साथ–साथ विद्यार्थियों का विद्यालय के प्रति लगाव भी बढ़ेगा। इस संबंध में समस्त संस्था प्रधान एवं शिक्षक प्रभावी पर्यवेक्षण एवं कार्यवाही करें।

उपर्युक्त निर्देशों की पालना सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाई जाये। उक्तानुरूप क्षेत्राधिकार में विगत वर्षो में न्यून बोर्ड परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों का चिन्हीकरण कर आगामी तीन माह में उनके सघन परिवीक्षण की अग्रिम योजना निर्मित कर उपर्युक्त निर्देशित कार्य योजना की सार्थक क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

(सुवालाल)
निदेशक
माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान,
बीकानेर

प्रतिलिपि–निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1–निजी सचिव, सचिव,माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान,जयपुर।
2–समस्त मण्डल उपनिदेशक, माध्यमिक शिक्षा को सतत् एवं प्रभावी प्रबोधन हेतु।
3–सिस्टम एनालिस्ट,कम्प्यूटर अनुभाग,कार्यालय हाजा को विभागीय वेब–साईट पर अपलोड करने हेतु।
4–वरिष्ठ सम्पादक " शिविरा", प्रकाशन अनुभाग कार्यालय हाजा को आगामी अंक में प्रकाशनार्थ।
5–स्टाफ ऑफिसर,, निजी अनुभाग(निदेशक), कार्यालय हाजा।
6–राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय के ई–मेल पर समस्त प्रधानध्यापक/प्रधानाचार्य को पालना हेतु प्रेषित है।
6–रक्षित पत्रावली।

उपनिदेशक(माध्यमिक)
माध्यमिक शिक्षा,। राजस्थान
बीकानेर